



विश्वजीत रामचन्द्र मोरे ने अंडर-23 रसलिंग वर्ल्ड चैंपियन में जीता सिल्वर मेडल



या देवी सर्वभूतेषु कात्यायनी रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमो नमः।

राजनाथ ने पाकिस्तान को चेताया



नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पाकिस्तान से होने वाले सीमा पर आतंकवाद को लेकर भारत का रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से होने वाली किसी भी अगली आतंकी घटना का जवाब पहले से ही अधिक कड़ा होगा। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा संवाद, सह-अस्तित्व और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करती है, लेकिन शांति की प्रतिबद्धता को कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

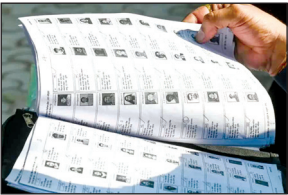
नई दिल्ली में टाइम्स नेटवर्क डिफेंस कॉन्फ्लेक्स को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, बालाकोट हवाई हमले और सर्जिकल स्ट्राइक केवल सैन्य अभियान नहीं थे। ये आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में निर्णायक बदलाव के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल कूटनीतिक विरोध जताने तक सीमित नहीं है, बल्कि आतंकवाद के स्रोत तक पहुंचकर उसे खत्म करने के लिए सक्रिय कदम उठाता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद से ज्यादातर आतंकियों की सक्रियता की अवधि घटकर एक साल से भी कम रह गई है। उनके मुताबिक, भारत के खिलाफ हथियार उठाने के एक साल के भीतर सुरक्षा बल ऐसे आतंकियों को मार गिरा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग ने देश भर में एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच 17 राज्यों में मतदाता सूची के 'विशेष सारांश पुनरीक्षण' की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर

जगदीश यादव कोलकाता। देश दुनिया में सिटी ऑफ जॉय के नाम से मशहूर महानगर कोलकाता ने आज वही कर दिखाया। जिसकी उम्मीद थी। उत्सवप्रिय कोलकाता की सड़कें बूंदी-बांदी के बीच ही आज महापंचमी की ही महासप्तमी के उत्साह और भीड़ से सराबोर नजर आई। शाम ढलते ही शहर के रास्तों पर ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि लगा मानो पूरी कोलकाता दुर्गा पूजा के रंग में रंगकर सड़कों पर उतर आई हो। महापंचमी के दिन ही जिस तरह का भारी 'महा जन रेला' देखने को मिला, वैसी भीड़ आमतौर पर पिछले वर्षों में महासप्तमी के दिन नजर आती थी। महापंचमी के दिन सुबह 10 बजे से ही पंडालों के बाहर दर्शनार्थियों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। दोपहर तक यह भीड़ एक बड़े रेले में बदल गई और शाम होते-होते इसने विशाल जनसैलाब का रूप ले लिया। भले ही पूर्व मंत्री सुजीत बसु जेल की सलाखों में हों लेकिन उनके पूजा स्थल के रूप में प्रसिद्ध वीआईपी रोड स्थित श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब के मंडप में दोपहर से ही लोगों की चहल-पहल थी। जैसे जैसे दोपहर से शाम और

एसआईआर विवाद के बीच चुनाव आयोग का एलान

17 राज्यों की मतदाता सूची में होगा विशेष संशोधन



नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने हाल ही में 17 राज्यों में मतदाता सूचियों के 'विशेष सारांश पुनरीक्षण' की घोषणा की है। यह पुनरीक्षण जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 21 के तहत लागू किया जाएगा, जिसमें 1 जनवरी 2027 को 'पात्रता तिथि' माना जाएगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब विपक्षी नेताओं की ओर से 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर नाराजगी और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। गुरुवार को जारी एक नोटिस के अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग ने देश भर में एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच 17 राज्यों में मतदाता सूची के 'विशेष सारांश पुनरीक्षण' की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर



फिर रात जवां होती रही धर्मतल्ला, पार्क स्ट्रीट, कालीघाट, श्यामबाजार, दमदम, बेहाला, न्यू अलीपुर और सेंट्रल एवेन्यू के मुख्य मार्गों पर श्रद्धालुओं का भारी तांता लगा रहा। सड़कों पर उमड़ी इस अप्रत्याशित भीड़ को नियंत्रित

करने और यातायात सुचारू रखने के लिए पुलिसकर्मियों और स्वयंसेवियों की खासी मशक्कत करनी पड़ी। देर शाम तक शहर के तमाम नामचीन और प्रतिष्ठित पूजा पंडालों में हजारों की संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंच गए।

संतोष मित्रा स्ववाय, श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब, सुरचि संघ, बादमतला आषाढ़ संघ, मोहम्मद अली पार्क, अहिरटोला, कुम्हारटोली और भवानीपुर के पंडालों में खचाखच भीड़ रही। श्रीभूमि के चर्चित मंडप और

बनारस की पटाखा फैक्टरी में धमाका

बाराणसी, एजेंसी। सारनाथ के पंचकोशी स्थित पैगंबरपुर इलाके में बृहस्पतिवार शाम अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्टरी में तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि मकान जमींदोज हो गया। मलबे में पटाखा कारोबारी राजू खान और उसके परिवार के करीब छह लोगों के दबने की सूचना मिली। धमाके से आसपास के लोग सहम गए और इलाके में अफरातफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही सारनाथ पुलिस, फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। राहत और बचाव कार्य शुरू कर मलबे में दबे लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, शाम 5:40 बजे तक राजू खान की मां मलबे में दबी हुई थीं। उन्हें निकालने के लिए बचाव दल सर्च ऑपरेशन चला रहा था।

धमाके की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राजू खान के मकान के बगल में स्थित दूसरे मकान का बाहरी हिस्सा भी ढह गया। विस्फोट के बाद आसपास के मकानों में रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मकान में पटाखों की मौजूदगी और

तीन मजिला मकान ढहा, आधे दर्जन दबे



दोबारा विस्फोट की आशंका को देखते हुए बचाव कार्य के दौरान सतर्कता बरती जा रही थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरूआती जानकारी के अनुसार, मकान में पटाखे बनाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक तेज धमाका हुआ और पूरी इमारत ढह गई। हालांकि, विस्फोट के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच

मूर्तियों का दर्शन करने के बाद लोग सीधे दमदम पार्क और हाथीबागान की ओर निकल पड़े। वहीं, कई लोग उल्टाडोंगा से ट्रेन पकड़कर सियालदह पहुंचे और संतोष मित्रा स्ववाय का रुख किया। इसके बाद बालीगंज के सिंधी पार्क, एकडालिया एवरग्रीन, देशप्रिय पार्क और त्रिधारासम्मेलनी की ओर दक्षिण कोलकाता का यह कारवां लगातार आगे बढ़ता रहा।

लाखों की संख्या में उमड़ रहे दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए मेट्रो रेलवे ने अतिरिक्त सेवाएं शुरू की हैं, इसके बावजूद मेट्रो स्टेशनों पर भारी भीड़ देखने को मिली। हालात यह रहे कि कई स्टेशनों पर माइक से लगातार उद्घोषणा करके भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास किए गए। पूजा पंडालों के आसपास सजे खान-पान के स्टालों पर भी लोगों ने जमकर 'पेट पूजा' का लुत्फ उठाया। हावड़ा, सियालदह और कोलकाता रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ सभी प्रमुख मेट्रो स्टेशनों, शॉपिंग मॉल और पूजा परिसरों में सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए राज्य सचिवालय 'नवान' से विशेष कंट्रोल रूम लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

राहुल हमें न धमकाएं : सुप्रीम कोर्ट

सीजेआई बोले- हमें कोई धमका नहीं सकता



नयी दिल्ली, एजेंसी। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक विपक्ष के मार्च मामले में गुरुवार को सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी कोर्ट को डरा-धमकाकर दबाव में नहीं ला सकता। ऐसी कोशिशें बेकार हैं। इन पर कोई ध्यान नहीं देता। उन्होंने कहा- हमें पता है कि कोर्ट के बाहर क्या कहा जा रहा है और कोर्ट के अंदर क्या कहा जा रहा है। हम किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं जी रहे हैं। हमें हर बात की जानकारी है। सीजेआई ने राहुल का नाम लिए बिना यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण पर सवाल करेंगे और उसे सफाई देनी होगी। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट परिसर में विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों के जुटने से जुड़े मामले में राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य 14 नेताओं को नोटिस जारी किया है। वहीं, एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ इन नेताओं की याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा।

12 अक्टूबर के सुप्रीम कोर्ट मार्च के बाद कोर्ट परिसर में राजनीतिक प्रदर्शन रोकने के नियम बनाने, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने और राहुल गांधी समेत नेताओं की मंशा की जांच से जुड़ी याचिका 4 वकील दिवांग मिश्रा, दिव्यांश बिष्ट, आशीष गोपाल गर्ग और श्वेता गर्ग ने दाखिल की। वकील गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट से उन सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित

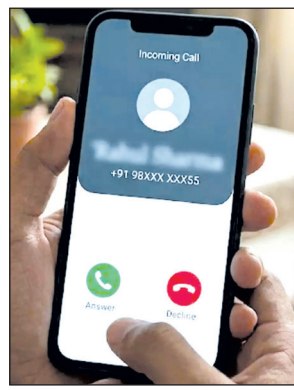
करवाने के लिए अंतरिम आदेश देने की मांग की, जो राहुल के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के हैं। आरोप है कि तब उन्होंने गर्भवती महिला पत्रकार को धक्का दिया था।

इस पर जस्टिस बागची ने सभी कानूनी एजेंसियों को सीसीटीवी और अन्य डिजिटल फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। यह भी कहा है कि इन्हें कोई भी आकर जमा करा सकता है। प्रदर्शन बुलाने वालों की जिम्मेदारी तय करने की मांग वाली याचिका पर सीजेआई सूर्यकांत ने नोटिस जारी किया। इसमें मांग की गई है कि प्रदर्शन बुलाने वाला व्यक्ति दूसरों पर पड़ने वाले परिणामों की जिम्मेदारी भी ले।

सुनवाई के दौरान केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट को कोर्ट की अवमानना बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। याचिका के मुताबिक, यह पोस्ट सीजेआई के खिलाफ थी। यह पोस्ट डिलीट की जा चुकी है। विपक्ष की तरफ से यह याचिका चीफ जस्टिस सूर्यकांत के मिलने से इनकार के बाद दाखिल की गई थी। 11 अक्टूबर को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की पत्र लिखा था और जापान सौंपने के लिए समय मांगा था। सीजेआई ने मना कर दिया था। फिर राहुल, प्रियंका, खड़गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद 12 अक्टूबर की शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंच गए। उससे पहले सांसदों ने दिल्ली के बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था।

नवंबर से फोन-स्क्रीन पर कॉलर का नाम दिखाना जरूरी

नयी दिल्ली। आपके फोन पर जब भी किसी का कॉल आएगा, तो स्क्रीन पर उस व्यक्ति का नंबर और नाम दोनों दिखेंगे। जिस आई डी से सिम खरीदी, वही नाम डिस्प्ले होगा। इससे फर्जी कॉल पहचानने में मदद मिलेगी। दूरसंचार विभाग ने टेलिकॉम ऑपरेटर्स को 1 नवंबर 2026 से ये सेवा शुरू करने का निर्देश दिया है। यूजर को इस सर्विस को अलग से एक्टिवेट करने की जरूरत नहीं होगी। जिस भी व्यक्ति ने आपको फोन किया है, आपको मोबाइल स्क्रीन पर उसका नाम दिखेगा। अगर फोन करने वाले व्यक्ति का नाम आपकी कॉन्टैक्ट लिस्ट है तो वही नाम दिखेगा। अगर उसका नंबर सेव नहीं है तो सिम लेते वक्त फोन करने वाले ने जो नाम दर्ज कराया था, वह दिखेगा।



अगर कॉल किसी दूसरे देश यानी इंटरनेशनल नंबर से आ रही है तो स्क्रीन पर किसी का नाम नहीं होगा, सिर्फ इंटरनेशनल कॉल लिखा नजर आएगा। हर टेलिकॉम सर्विस प्रोवाइडर को अपने यूजर्स के नाम और उनके मोबाइल नंबरों को लिंक करने वाला एक नया डेटाबेस तैयार करना होगा। जब आपको कॉल आएगा तो कंपनी डेटाबेस से नाम फेच करके तुरंत आपकी स्क्रीन पर दिखाएगी। कॉल कटते ही सिस्टम उस नाम को अपनी मेमोरी से तुरंत मिटा देगा, ताकि आपका डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहे। वहीं जिन लोगों ने प्राइवसी के लिए अपना नाम छिपाने की सर्विस ली हुई है, उनका नाम स्क्रीन पर शो नहीं होगा। सिजनेस या बल्क सिम इस्तेमाल करने वाले यूजर्स को अपने ट्रेडमार्क या रजिस्टर्ड बिजनेस नेम दिखाने का विकल्प मिलेगा।

आमिर के भांजे इमरान को

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता इमरान खान को मुंबई पुलिस ने नोटिस जारी कर 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इमरान 10 अक्टूबर को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसके बाद मुंबई पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में भी लिया था। वे 22-23 जुलाई को नीट पेपर लीक के

विरोध में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान भारतीय नहीं, अमेरिकी नागरिक हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इस मामले में उनके खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

इमरान का जन्म अमेरिका के विस्कॉन्सिन में हुआ था। जन्म से ही उनके पास अमेरिका की

भारत छोड़ने की नोटिस, 28 अक्टूबर तक की मोहलत



नागरिकता और अमेरिकी पासपोर्ट है। वे कानूनी रूप से भारत के नागरिक नहीं हैं। भारत में रहने और काम करने के लिए वे ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। भारत में विदेशी नागरिकों के प्रवेश, रहने और गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए इमिग्रेशन एंड फरिनर्स एक्ट, 2025 लागू है। इसके तहत सरकार विदेशी नागरिकों के भारत में रहने और

उनकी गतिविधियों पर शर्तें लगा सकती है। यदि कोई विदेशी नागरिक लागू नियमों या वीजा की शर्तों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

10 अक्टूबर को एसआईआर के विरोध और सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान इमरान को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने पुलिस वेन के अंदर से अपनी एक

तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा था, 'लगता है मैं ड्राइव पर जा रहा हूँ'।

वेन के अंदर से सामने आए एक वीडियो में जब उनकी कजिन जैन ने उनसे पूछा कि क्या वे कभी जेल गए हैं, तो इमरान ने कहा कि अभी जो हालात हैं, उसे देखकर इसके चांस लग रहे हैं। मीडिया से बातचीत में इमरान ने कहा कि उन्हें बिना वजह सड़क से उठाकर वेन में बैठा दिया गया था।

धर्मान्तरण किया तो आरक्षण बंद : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि कोई व्यक्ति यदि दूसरे धर्म में परिवर्तन करता है, तो उसका सामाजिक पिछड़ापन हिंदू सामाजिक व्यवस्था से गैर-हिंदू सामाजिक व्यवस्था में ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि हिंदू सामाजिक व्यवस्था में पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जाति से जुड़े किसी व्यक्ति को दूसरा धर्म अपनाने के बाद उसी आधार पर आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता।

दरअसल, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस चंद्रचूड़ की पीठ ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि इस्लाम धर्म अपनाने वाला व्यक्ति केवल धर्म परिवर्तन के आधार पर 'पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम)' श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा नहीं कर सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसने धर्म परिवर्तित मुसलमानों को आरक्षण देने की तमिलनाडु



सरकार की अधिसूचना को रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट ने

अपने आदेश में कहा था कि इस्लाम अपनाने वाला कोई

व्यक्ति केवल धर्म परिवर्तन के आधार पर आरक्षण का दावा नहीं कर सकता।

इससे पहले 7 अगस्त सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। राज्य सरकार ने अपनी अपील में तर्क दिया था कि उच्च न्यायालय का यह फैसला कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है, जो एक विशेषज्ञ वैधानिक आयोग की सिफारिशों के आधार पर तैयार की गई कार्यकारी नीति में न्यायिक हस्तक्षेप के दायरे

से संबंधित हैं।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला हिंदू सामाजिक व्यवस्था में जाति आधारित सामाजिक पिछड़ापन और दूसरे धर्म में परिवर्तन के बाद आरक्षण के लाभ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। राज्य सरकार ने अपनी अपील में तर्क दिया था कि उच्च न्यायालय का यह फैसला कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है, जो एक विशेषज्ञ वैधानिक आयोग की सिफारिशों के आधार पर तैयार की गई कार्यकारी नीति में न्यायिक हस्तक्षेप के दायरे से संबंधित हैं।



2 कोलकाता, शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026

मुर्शिदाबाद में बोले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी

उत्सव के दौरान बरतें अतिरिक्त सावधानी

लालबाग (मुर्शिदाबाद)। पश्चिम बंगाल में दुगापूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस प्रशासन और पूजा समितियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। बुधवार को मुर्शिदाबाद के लालबाग स्थित बुधासपाड़ा स-र्जनिक दुगापूजा का उद्घाटन करते हुए उन्होंने आशंका जताई कि कुछ लोग जानबूझकर उत्सव के माहौल को बिगाड़ने की की-शिश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस और पूजा आयोजकों को पूरी सावधानी बरतनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुगापूजा के दौरान लोगों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने पूजा समितियों से भी अपील की कि वे



किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न करें और पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में इस वर्ष करीब 58 हजार दुगापूजा का आयोजन हो रहा है, जबकि

पिछले साल यह संख्या लगभग 45 हजार थी। उनके मुताबिक, राज्य में बदलाव के बाद से 13 हजार नई दुगापूजा समितियों को अनुमति दी गई है। अकेले मुर्शिदाबाद जिले में इस वर्ष 800 से अधिक नई

पूजा समितियों को मंजूरी मिली है। सीएए प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया होगी आसान मुख्यमंत्री ने पूर्वी पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन अधिनियम

(सीएए) के तहत प्रमाणपत्र देने की प्रक्रिया का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य को इस संबंध में अधिकार दिया है। अब जिलाधिकारी सुनवाई के बाद सीधे प्रमाणपत्र जारी कर सकेंगे। इससे पात्र आवेदकों को प्रक्रिया पूरी करने में सुविधा मिलने का दावा किया गया। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण जिले में नकली नोटों और प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ हेरोइन तथा गांजे की तस्करी जैसी समस्याएं सामने आती हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, हाल ही में जलंगी में बीएसएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तस्करी का रोकथाम किया गया। उन्होंने नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए प्रशासन के साथ समाज के सभी वर्गों से सहयोग मांगा।

सातवें वेतन आयोग ने मांगा राज्य कर्मचारियों का डेटाबेस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नवगठित सातवें वेतन आयोग ने राज्य के विभिन्न विभागों के सरकारी कर्मचारियों के वेतन और भत्तों से जुड़ा डेटा तलब किया है। आयोग ने इस संबंध में राज्य के वित्त सचिव को एक औपचारिक पत्र लिखकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस प्रक्रिया के तहत कर्मचारियों के पद, सेवा और केडर से जुड़ी सभी जानकारीयां जुटाई जा रही हैं।

इसके साथ ही शिक्षक, शिक्षा-िकर्मी, पंचायत और नगरपालिका सहित उन सभी विभिन्न संस्थाओं के कर्मचारियों का विवरण भी जल्द देने को कहा गया है, जिनका वेतन और भत्ता राज्य सरकार वहन करती है। यह जानकारी संबंधित विभागों के प्रभारी अधिकारियों को आयोग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा करनी होगी, जि-ल्के लिए आयोग ने एक निर्धारित प्रारूप तैयार किया है।

इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए बंगीय शिक्षक एवं शिक्षाकर्मों समिति के महासचिव स्वप्न मंडल



ने गुरुवार को कहा कि सातवें वेतन आयोग ने पत्र लिखकर हर विभाग से कर्मचारियों के वेतन की जानकारी तो मांगी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सरकारी कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन निर्धारित करते समय पांच सदस्यों वाले परिवार को आधार माना जाएगा। इसके अलावा, न्यूनतम वेतन निर्धारण में प्रतिदिन 2700 कैलोरी के पुराने मानक के बजाय 3490 कैलोरी पोषण की आवश्यकता को नया मानक मानने का प्रस्ताव रखा गया है।

छह महीने में नाबालिग प्रसूतियों की संख्या हुई 9700

मुर्शिदाबाद। मुख्यमंत्री ने बाल विवाह और कम उम्र में गर्भधारण को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जनवरी से जून के बीच राज्य में संस्थागत प्रसव के 60 हजार मामले दर्ज किए गए। इनमें मुर्शिदाबाद जिले में 18 वर्ष से कम उम्र की प्रसूतियों की संख्या 9,700 बताई गई।

उन्होंने कहा कि कम उम्र में विवाह और गर्भधारण बच्चों के स्वास्थ्य तथा भविष्य के लिए नुकसानदेह हैं। बाल विवाह कानूनन अपराध है, इसलिए इसे रोकने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का काम केवल सड़कें बनाना, स्कूल-कॉलेज खोलना या लोगों को आर्थिक सहायता देना नहीं है।

मुख्यमंत्री ने मुर्शिदाबाद को दी विकास परियोजनाओं की सौगात

गो तस्करी पर रोक और नशा कारोबार पर लगाम

मुर्शिदाबाद। बांग्लादेश सीमा से सटे मुर्शिदाबाद के लालबाग में एक दुगा पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि क्षेत्र में मवेशी तस्करी और नशीले पदार्थों की अवैध सप्लाई पर लगभग पूरी तरह रोक लग चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने मुर्शिदाबाद विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के लिए नए आईटीआई कॉलेज, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, मॉर्निंग कॉलेज और अस्पताल में बेड बढ़ाने जैसी कई विकास योजनाओं की घोषणा की। गैरकानूनी गतिविधियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)



और राज्य पुलिस जिले में समन्वय के साथ काम कर रही हैं, जिससे किसी भी तरह की अवैध घुसपैठ नहीं होने दी जाएगी।गुरुवार को मुख्यमंत्री ने लालबाग स्थित बुधासपाड़ा सार्वजनिक दुर्गाोत्सव

समिति की पूजा का औपचारिक उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र के विकास की पूरी जिम्मेदारी उनकी है। मंच पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों से बुनियादी ढांचे की

स्थिति का जायजा लेते हुए उन्होंने जिले के जिलाधिकारी को नए आईटीआई कॉलेज के लिए तुरंत जमीन आवंटित करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा, मौजूदा कॉलेज में छात्राओं के लिए मॉर्निंग शिफ्ट शुरू करने का निर्देश देते हुए उन्होंने आवश्यक किया कि प्राध्यापकों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। अस्पताल में बेडों की संख्या बढ़ाने और क्षेत्र में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने की बात कहते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ये सभी कार्य दिसंबर तक पूरे किए जाएं और विकास कार्यों में धन की कमी आड़े नहीं आएगी।

पुलिस कमिश्नर ने चिंगरीहाटा फ्लाईओवर की घटना पर दी सफाई

पेंट के कारण हादसा होने का कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिला

कोलकाता। चिंगरीहाटा फ्ला-ईओवर पर हुई बाइक दुर्घटना के पीछे की असल वजह का पता लगाने के लिए लालबाजार पुलिस मुख्यालय ने गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस कमिश्नर अजय नंदी ने आज स्पष्ट किया कि फ्ला-ईओवर पर किए गए नए पेंट की वजह से बाइक का पहका फिसल गया था। इस बात का अभी तक कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है। दुर्घटना के पीछे चलती बाइक पर इंस्ट्रग्राफ रिल बनाने की कोशिश या अन्य किसी प्रकार की लापर-वाही थी या नहीं, पुलिस इस पहलू की भी गहराई से जांच कर रही है। सीपी ने एक तरह से आज अपनी



बात के तहत चिपकने या फिसलने के सिद्धांत को खारिज किया। श-रुआती जांच में फ्लाईओवर के नए रंग के कारण पहिए फिसलने की कोशिश कर रहे थे, उसके समर्थन में अब तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। सीपी ने

श्यामसुंदरपुर भूमिगत परियोजना

में सबस्टेशन का शिलान्यास



दुर्गापुर। ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के निदेशक (तकनीकी), परियोजना एवं योजना, गिरिश गोपीनाथन नायर ने बंकोला क्षेत्र स्थित श्यामसुंदरपुर भूमिगत परियोजना में 27.5 एमवीए, 33/3.3 केवी सबस्टेशन की आज आधारशिला रखी। यह परियोजना के विद्युत अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा इसकी परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर बंकोला क्षेत्र के महाप्रबंधक राज किशोर प्रसाद सिंह ने गिरिश गोपीनाथन नायर का हार्दिक स्वागत किया। इसके पश्चात, गिरिश गोपीनाथन

नायर ने नकराकोंडा कुमारडीही बी ओपन कास्ट परियोजना (ओसीपी) का दौरा किया, जहाँ उन्होंने नकराकोंडा कुमारडीही बी कोलियरी के अधिकारियों के साथ संवाद किया।

इस अवसर पर बंकोला क्षेत्र के महाप्रबंधक राज किशोर प्रसाद सिंह तथा ईसीएल मुख्यालय के माहिर बांधक (इंजंएएम)/विभागाध्यक्ष सर्वेश कुमार भी उपस्थित थे। यह दौरा खनन अवसंरचना को सुदृढ़ करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा खनन कार्य के सतत विकास को सुनिश्चित करने के प्रति ईसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पत्नी के प्रेमी का सिर काटकर तालाब में फेंकने वाले पति समेत 3 दोषियों को उम्रकैद

डायमंड हार्बर। दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर थाना क्षेत्र में चार साल पहले हुए एक सनसनीखेज और जघन्य हत्याकांड में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। डायमंड हार्बर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रेक (तृतीय) अदालत ने अवैध संबंधों के शक में पत्नी के प्रेमी की धारदार हथियार से सिर काटकर हत्या करने के मामले में मृतक की प्रेमिका के पति समेत तीन दोषियों को आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने तीनों दोषियों पर आर्थिक जुमाना भी लगाया है। यह दिल दहला देने वाली घटना 9 फरवरी 2022 को सामने आई थी, जब मथुरापुर थाना अंतर्गत सुबुद्धिपुर इलाके से एक अज्ञात व्यक्ति का बिना सिर वाला शव बरामद हुआ था। शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। बाद में परिजनों ने मृतक की शिनाख्त हबीबुल्ला पाइक के रूप में की। पुलिस ने जब आसपास के इलाकों में सचन तलाशी अभियान चलाया, तो घटनास्थल के पास स्थित एक तालाब से मृतक का कटा हुआ सिर बरामद किया गया था। पुलिस जांच के दौरान कॉल डिटेल्स और स्थानीय सूत्रों की क-डियों को जोड़ने पर अवैध संबंधों का यह मामला खुलकर सामने आया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी अजगर लस्कर की पत्नी के साथ हबीबुल्ला पाइक का विवाहेतर संबंध था।

ईसीएल के कुनुस्तोड़िया क्षेत्र में

निःशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर

दुर्गापुर। ईसीएल के कुनुस्तो-ड़िया क्षेत्र में अपने कर्मियों और उनके आश्रितों के लिए एक विशेष निःशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर लगाया गया।

गौरतलब है कि क्षेत्रीय महाप्रबंधक अमित कुमार सिन्हा के नेतृत्व में क्षेत्र की कुनुस्तोड़िया कोलियरी में लगे इस विशिष्ट शिविर का आयोजन सर्वोदय हेल्थकेयर (सर्वोदय हॉस्पिटल, फरीदाबाद) के सहयोग से हुआ।

इस शिविर में कर्मियों व उनके आश्रितों की कार्डियोलॉजी जाँच के साथ आर्थोपेडिक से संबंधित समस्याओं की भी जाँच की गयी और उन्हें आवश्यक चिकित्सीय

परामर्श दिये गये। इस शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय महाप्रबंधक अमित कुमार सिन्हा ने किया।

मौके पर उन्होंने कहा इस तरह के शिविर हमारे कर्मियों और उनके आश्रितों के लिए काफी लाभकर होता है।शिविर में कुनुस्तोड़िया क्षेत्रीय अस्पताल से डॉ. पूनम चौधरी व डॉ. रूपक मंडल की उपस्थिति रही, वहीं सर्वोदय हेल्थकेयर (सर्वोदय हॉस्पिटल, फरीदाबाद) की ओर से डॉ. उज्ज्वल कुमार और डॉ. संदीप कु मार दोष ने चिकित्सीय सेवाएं दीं। इस शिविर में कुल 105 लाभुकों ने चिकित्सीय परामर्श लिया।



दक्षिण पूर्व रेलवे में सात नए हॉल्ट स्टेशन बनेंगे

कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे अपने अधिकार क्षेत्र में रेल संपर्क को मजबूत करने जा रहा है। इसके तहत सात नए पैसेंजर हॉल्ट स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें से दो आद्रा डिवीजन में और पांच खड़गपुर डिवीजन में होंगे। रेलवे बोर्ड द्वारा विभिन्न स्थानों पर प्रस्तावित और स्वीकृत इन स्टेशनों का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाना और आसपास के इलाकों के लोगों तक रेलवे सेवाएं पहुंचाना है। सिद्ध कान्हू विश्वविद्यालय के पास नया पैसेंजर हॉल्ट स्टेशन : पुरुलिया जिले में,

आद्रा डिवीजन के अंतर्गत पुरुलिया और गौरीनाथधाम रेलवे स्टेशनों के बीच सिद्ध कान्हू विश्वविद्यालय के पास एक नया पैसेंजर हॉल्ट बनाने का प्रस्ताव है। इस जगह पर हॉल्ट बनने से विश्वविद्यालय क्षेत्र और आसपास के स्थानीय समुदायों के लिए रेल सुविधा बेहतर होने की उम्मीद है। इससे छात्रों, रोज सफर करने वालों, किसानों, व्यापारियों और श्रमिकों को काफी फायदा होगा, क्योंकि उन्हें शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य सुविधाओं, बाजारों और रोजगार के अवसरों तक पहुँचने में आसानी होगी।

से यात्री सुविधाओं में वृद्धि

इस दिशा में सुनियोजित योजना और प्रभावी भूमिकाव्यवहन के साथ सक्रिय क्रियाका निभा रहा है। मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन परियोजनाओं से न केवल गैर-किराया राजस्व का एक नया स्रोत विकसित हुआ है, बल्कि रेलवे स्टेशनों के समग्र वातावरण और यात्री सुविधाओं में भी सुधार हो रहा है।

इस कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर विविध प्रकार की परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण है।

कांचरापाड़ा कारखाने ने किया जागरुकता रैली का आयोजन

कोलकाता। पूर्व रेलवे के कांचरापाड़ा कारखाने के कार्मिक विभाग ने आंतरिक जागरूकता समिति के सहयोग से बुधवार को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के प्रति जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से एक जागरुकता रैली का आयोजन किया। रैली का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे कांचरापाड़ा कारखाने के कैरिज कॉम्प्लेक्स से हुआ। रैली का उद्घाटन एवं औपचारिक शुभारंभ डॉ. सुजाता कुंडू, एसीएमएस/प्रशासन/कांचरापाड़ा एवं आंतरिक शि-कायत समिति की अध्यक्ष द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्य विद्युत इंजीनियर तथा आंतरिक शि-कायत समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। इस जागरुकता रैली में लगभग 20 स्काउट एवं गाइड सदस्यों के साथ-साथ कारखाने के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सभी प्रतिभागियों ने सु-रक्षित एवं सम्मानजनक कार्य-संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने कारखाने के विभिन्न क्षेत्रों में मार्च करते हुए जागरूकता का संदेश प्रसारित किया।



धार्मिक नाट्य लोगों को भक्ति में डुबो दिया। इन बाल कलाकारों ने नाटक के माध्यम से मां दुर्गा द्वारा धरती से राक्षसी शक्तियों का विनाश तथा उनके बध को दर्शाया जिससे लोगों को मां दुर्गा के धरती पर अवतरित होने के कारणों का पता चल सके। मां दुर्गा सहित सभी देवी देवताओं का स्वरूप बनाने में छात्राओं ने कोई कसर नहीं छोड़ी।

इस दौरान प्रियदर्शिनी पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल राकेश तिवारी ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक रतन सिंह तथा अन्य सहयोगी शिक्षक शिक्षि-काओं में नीता श्रीवास्तव, तनुश्री चटर्जी, सोनाली बनर्जी, अनिता नाथन, रुम्मा घोष, मोहोती दत्ता की भूमिका सराहनीय रहा।

सुप्रभात			
16 अक्टूबर 2026, शुक्रवार, व वर्ष मन्मथ(2083)आश्विन,कृ.प षष्ठी' सूर्योदय5.17, सूर्यास्त 17.57			
आज का राशिफल			
मे़ष	आज आपमें काम करने का गजब का जोश होगा। आप जो भी काम हाथ में लेंगे।	तुला	कोई प्रमोशन या तनखाह बढ़ने की बात चल रही थी, तो आज अपने बॉस से बात कर लें।
वृ़षभ	दिन सुलझा हुआ रहेगा। आसपास भले ही कितनी भी हलचल मची हो, आप एकदम शांत रहेंगे।	वृ़श्चिक	आज का दिन थोड़ा गहरा सोचने का है। पैसे के मामले में आज कोई बड़ा फैसला न लें।
मिथुन	आपकी बातें लोगों को खूब पसंद आने वाली हैं। आपकी बुद्धि को एकदम पैना बना रहा है।	धनु	आज दिन बढ़ते-बढ़ते आपकी जेब की स्थिति बेहतर होती जाएगी। आज आप पूरे जोश में रहेंगे।
कर्क	पिछले काफी समय से काम का जो भारी बोझ आप ढो रहे थे, वो आज कम महसूस होगा।	मकर	काम में अगर कोई रुकावट आ रही है तो अपने साथियों से बात करें।
सिंह	आज जेब पर जरा लगाम लगाकर रखें। किसी को भी आज पैसा उधार देना समझदारी नहीं होगा।	कुंभ	दिमाग तेजी से दौड़ रहा है, जल्दी अमीर बनने के चक्कर में आज कोई गलत कदम न उठाएं।
कन्या	आज का दिन नेटवर्किंग का है। जितने लोगों से मिलेंगे, काम के नए मौके उतने ही खुलेंगे।	मीन	आपसे अनुशासन मांग रहे हैं। आज काम में थोड़ा क्लिपेटव बनें, कुछ अलग करने की कोशिश करें।

दुर्गापूजा की भीड़ में अपनों को तलाशना होगा आसान

कोलकाता पुलिस ने लॉन्च किया बंधु ऐप

कोलकाता। दुर्गापूजा के दौरान कोलकाता की सड़कों और पूजा पंडालों में उमड़ने वाली भारी भीड़ के बीच अब अपनों के बिछड़ने की चिंता कम करने की तैयारी है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के गुम होने की समस्या से निपटने के लिए कोलकाता पुलिस ने नई पहल की है। लालबाजार स्थित पुलिस मुख्यालय से ह्यबंधुह् ऐप की औपचारिक शुरूआत की गई। इस तकनीक की मदद से पूजा की भीड़ में बिछड़े लोगों को तलाशने और उनके परिजनों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

कोलकाता पुलिस की इस पहल का मुख्य उद्देश्य दुर्गापूजा के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों में गुम होने वाले बच्चों की पहचान करना और उन्हें सुरक्षित उनके अभिभावकों तक पहुंचाना है। इसके लिए छोटे बच्चों को क्यूआर कोड वाला विशेष बैड पहनाया जाएगा। साथ ही, शहर के सभी 10 पुलिस डिवीजनों के लिए 10 विशेष गाइडों की व्यवस्था की जाएगी। ये गाइडियां शहर में निगरानी



रखने और ज़रूरत पड़ने पर लोगों को खोजने के अभियान में सहायता करेंगी। क्यूआर कोड स्कैन करते ही मिलेगी जरूरी जानकारी बंधु ऐप की खासियत यह है कि इसके जरिए अभिभावक पहले से ही अपने बच्चों की आवश्यक जानकारी दर्ज करा सकेंगे। इसके लिए ऐप पर

पंजीकरण कर बच्चे का नाम, अभिभावक का नाम, मोबाइल नंबर और पता जैसी जानकारीयां दर्ज करनी होंगी। पंजीकरण के बाद बच्चे के हाथ में क्यूआर कोड वाला बैड पहनाया जा सकेगा। पुजा के दौरान यदि कोई बच्चा भीड़ में अपने परिवार से बिछड़ जाता है, तो बैड पर मौजूद क्यूआर कोड

को स्कैन कर पंजीकृत जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इससे बच्चे के अभिभावकों से संपर्क करना और उसे सुरक्षित परिवार तक पहुंचाना आसान हो सकेगा। बच्चों के साथ अन्य लोगों की मदद पर भी जोर कोलकाता पुलिस की यह पहल केवल बच्चों तक सीमित नहीं है। दुर्गापूजा के दौरान

किसी भी उम्र का व्यक्ति अपने परिजनों से बिछड़ सकता है। ऐसे में ह्यबंधुह् ऐप और पुलिस की विशेष व्यवस्था के माध्यम से गुमशुदा लोगों को तलाशने में सहायता मिलने की उम्मीद है। दुर्गापूजा के दौरान महानगर के प्रमुख चौराहों, सड़कों और पूजा पंडालों के आसपास भारी भीड़ जुटती है।

खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए इस भीड़ में अपने साथियों या परिजनों से बिछड़ने का खतरा बना रहता है। ऐसे में पुलिस की यह पहल तकनीक के इस्तेमाल से लोगों की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अब नजर इस बात पर रहेगी कि दुर्गापूजा के दौरान बंधु ऐप और विशेष पुलिस गाइडियों की व्यवस्था कितनी प्रभावी साबित होती है। यदि यह पहल सफल रहती है, तो उत्सव के दौरान गुम हुए लोगों को उनके परिवारों से मिलाने में पुलिस को काफी मदद मिल सकती है।



अनिवार्य है। अदालत ने सांसद को कारण बताओ नोटिस जारी कर यह भी पूछा है कि उनके बयानों पर अदालत इस रोक को स्थायी रूप से क्यों न लागू रखे। अदालत ने अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि सार्वजनिक हित के मुद्दों और सरकारी फैसलों (जैसे मतदाता सूची संशोधन) की आलोचना करना स्वीकार्य है, लेकिन आलोचना की आड़ में किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से अपमानित या निशाना नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने पाया कि

महुआ ने अपने गंभीर आरोपों के समर्थन में कोई भी पुख्ता सबूत पेश नहीं किया। इस मामले की अगली सुनवाई पांच जनवरी को होगी। गौरतलब है कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर महुआ मोइत्रा ने मनोज अग्रवाल पर तीखा हमला बोला था। सांसद ने आरोप लगाया था कि लाखों वैध बंगाली मतदाताओं के वोटिंग अधिकार गैरकानूनी तरीके से छीनने के लिए मनोज अग्रवाल जिम्मेदार हैं।

आईडीएफए में 'रिवर्स ऑफ मेमोरी' का चयन

नवनील सान्याल ने कैमरे में कैद किया प्रकृति का दर्द

कोलकाता। ओडिशा के जिन तटीय इलाकों में कभी सात गांवों की घनी बस्ती हुआ करती थी और जहां का जीवन प्रकृति की देन से समृद्ध था, आज वहां श्मशान जैसी खामोशी है। समुद्र के बढ़ते जलस्तर ने न केवल इन बस्तियों को निगल लिया है, बल्कि लोगों की आजीविका के साधन भी छीन लिए हैं। एक तरफ समुद्र का बढ़ता जलस्तर और तटीय कटाव, तो दूसरी तरफ भयंकर सूखा, प्रकृति के इस चरम विरोधाभास को निर्देशक शिशिर झा की डॉक्यूमेंट्री 'रिवर्स ऑफ मेमोरी' में बेहद बारीकी से उकेरा गया है। कैमरे के शानदार फ्रेम के जरिए इन मार्मिक पलों को बंगाल के सिनेमेटोग्राफर नवनील सान्याल ने जीवंत किया है। अपनी इसी बेहतरीन प्रस्तुति के दम पर इस फिल्म ने प्रतिष्ठित 'इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल एमस्टर्डम' में जगह बना ली है। 72 मिनिट की यह डॉक्यूमेंट्री आईडीएफए के 39वें संस्करण की



'एनविजन कम्पटीशन' श्रेणी के लिए चुनी गई 13 फिल्मों में से एक है। यह अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आगामी 12 से 22 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में क्यूबा, बेलिजम, कनाडा, स्विट्जरलैंड और हांगकांग जैसे देशों की फिल्मों के साथ भारत की इस डॉक्यूमेंट्री को भी चुना गया है। इस श्रेणी में ऐसी

फिल्मों को जगह दी जाती है, जो कहानी कहने के लिए विजुअल लैंग्वेज और नैरेटिव स्ट्रक्चर के साथ नए प्रयोग करती हैं। वर्ष 2026 के इस संस्करण में दुनिया भर की 250 से अधिक फिल्मों और न्यू-मीडिया प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया जाएगा। नवनील सान्याल ने बताया कि इस डॉक्यूमेंट्री को मशहूर फिल्म

निर्माता अनुराग कश्यप प्रस्तुत कर रहे हैं। नवनील ने कहा कि 'एनविजन कम्पटीशन' आईड-एफए का सबसे कठिन वर्ग माना जाता है। इस साल इस श्रेणी में दुनिया भर से लगभग चार हजार फिल्में आई थीं।

इससे पहले भारत की केवल चार फिल्मों ने ही इस प्रतिष्ठित श्रेणी में अपनी जगह बनाई थी। 'रिवर्स ऑफ मेमोरी' इस सूची में शामिल है। लेकिन उनका रुझान हमेशा से सिनेमेटोग्राफी की ओर था। सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट से विधिवत शिक्षा लेने के बाद उन्होंने पूरी तरह से फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रखा। कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रह चुके नवनील के लिए 'रिवर्स ऑफ मेमोरी' एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय कामयाबी लेकर आई है।

कोलकाता

। बंगाल की खाड़ी में गुरुवार सुबह अचानक टॉरनेडो जैसी आकृति वाला एक विशाल जलस्तंभ दिखाई देने से गंगासागर के तटीय इलाके में हलचल मच गई। गंगासागर के पांच नंबर घाट के पास समुद्र की सतह से आसमान की ओर उठते इस घुमावदार जलस्तंभ को देखकर स्थानीय लोगों के एक वर्ग में दहशत फैल गई। हालांकि, इस घटना में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह समुद्र की ओर नजर पड़ते ही लोगों ने पानी के एक हिस्से में असामान्य हलचल देखी। देखते ही देखते समुद्र के ऊपर घूमता हुआ जलस्तंभ जैसा आकार दिखाई देने लगा। इसकी आकृति काफी हद तक टॉरनेडो जैसी थी। समुद्र से आसमान की ओर उठती इस संरचना को देखकर तटवर्ती क्षेत्र के लोग हैरान रह गए। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि कुछ समय तक यह दृश्य समुद्र के ऊपर बना रहा। इसके बाद धीरे-धीरे यह



ओझल हो गया।

क्या है यह जलस्तंभ?

मौसम विज्ञान की भाषा में समुद्र के ऊपर बनने वाले ऐसे घुमावदार जलस्तंभ को परिस्थितियों के अनुसार हवाटरस्पाउटह् या जलघूर्णी कहा जाता है। यह एक ऐसी मौसमी घटना है, जिसमें हवा के घूमते हुए प्रवाह के कारण समुद्र की सतह के ऊपर स्तंभ जैसी आकृति दिखाई दे सकती है। हालांकि, हर ऐसी घटना की प्रकृति और तीव्रता एक जैसी नहीं होती। इसकी वास्तविक पहचान के लिए मौसम

संबंधी परिस्थितियों और विशेषज्ञों के आकलन की जरूरत होती है।दिखने में टॉरनेडो जैसी होने के बावजूद वाटरस्पाउट और स्थल पर बनने वाले बवंडर की प्रकृति अलग हो सकती है।

इसकी तीव्रता और अवधि भी मौसम की परिस्थितियों पर निर्भर करती है। समुद्र में इस तरह की घटना छोटी नौकाओं और मछली पकड़ने वाले ट्रॉलरों के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। ऐसे में समुद्र में मौजूद मछुआरों और नाविकों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज



कोलकाता। दुर्गा पूजा पंडालों में प्रवेश पास बेचने के नाम पर हुए कथित वित्तीय भ्रष्टाचार के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य के पूर्व मंत्री और गायक इंद्रनील सेन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। गिरफ्तारी की आशंका के चलते पूर्व मंत्री ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। गुरुवार को न्यायमूर्ति तीर्थकर घोष की अदालत में इस मामले की

लंबी सुनवाई हुई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायाधीश ने सेन की अर्जी नामंजूर कर दी।

इस फैसले से राज्य के पूर्व मंत्री की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं और अब उनकी गिरफ्तारी के रास्ते में कोई कानूनी बाधा नहीं रह गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बउबाजार थाने में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर इंद्रनील

सेन ने हाईकोर्ट में यह अपील की थी। आरोप है कि दुर्गा पूजा प्रीव्यू शो के नाम पर यूनेस्को का नाम इस्तेमाल कर मनमाने दामों पर टिकट बेचे गए और करोड़ों रुपये का घोटाला किया गया। जयदीप मुखर्जी की शिकायत के आधार पर बउबाजार थाने की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच शुरू की थी। इस मामले में केन्द्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी समानांतर जांच कर रही है। पिछले कुछ समय में ईडी के अधिकारी इंद्रनील सेन और उनके कई रिश्तेदारों से कई बार पूछताछ कर चुके हैं और अहम वित्तीय दस्तावेजों की सघन जांच भी की गई है।

हालांकि, चंदननगर उत्सव से जुड़े एक अन्य मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने इंद्रनील सेन को बड़ी राहत देते हुए उनकी अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है।

पूजा परिक्रमा : प्राचीन राम मंदिर की स्थापत्य कला से सजा मोहम्मद अली पार्क का पंडाल

कोलकाता। मध्य कोलकाता के मोहम्मद अली पार्क स्थित यूथ एसोसिएशन ने अपनी दुर्गापूजा के 58वें वर्ष में श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण तैयार किया है। इस वर्ष पूजा की थीम प्राचीन राम मंदिर रखी गई है। प्राचीन मंदिरों की स्थापत्य कला, भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत और रामायण के प्रसंगों को समेटे यह पंडाल दुर्गापूजा 2026 के दौरान श्रद्धालुओं और पंडाल घूमने वालों के आकर्षण का केंद्र बनने की तैयारी में है।

पूजा पंडाल का उद्घाटन पश्चिम बंगाल सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तापस रॉय, पूर्व पार्षद मीना देवी पुरोहित, यूथ एसोसिएशन ऑफ मोहम्मद अली पार्क के उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी बिनय दुबे सहित कई गणमान्य लोगों और क्लब सदस्यों की



उपस्थिति में हुआ।

इस वर्ष की थीम में प्राचीन राम मंदिरों की स्थापत्य भव्यता को कलात्मक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। कलाकार चिरंजीब की देखरेख में पंडाल का निर्माण मुख्य रूप से बांस और

प्लाईवुड से किया गया है। पंडाल की सजावट में भगवान श्रीराम के जीवन और रामायण की महत्वपूर्ण घटनाओं को भी स्थान दिया गया है। इन प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को एक ऐसी दृश्यात्मक यात्रा का अनुभव कराने की को-

शश की गई है, जिसमें धार्मिक आस्था के साथ भारतीय कला और परंपरा का मेल दिखाई देगा।

पत्थर और संगमरमर जैसी आभा में मां दुर्गा पंडाल की थीम के अनुरूप मां दुर्गा की प्रतिमा को भी भारपरिक

स्वरूप दिया गया है। प्रसिद्ध मूर्तिकार कुश बेरा ने प्रतिमा को पत्थर जैसी रंगत और संगमरमर जैसी फिनिश के साथ तैयार किया है।

प्रतिमा का यह रूप प्राचीन मंदिरों में स्थापित मूर्तियों की शिल्प परंपरा की याद दिलाएगा।

वहीं, प्रकाश सज्जा की जिम्मेदारी संभाल रहे गणेश मंडल ने पंडाल की वास्तुकला को उभारने के लिए विशेष रोशनी की व्यवस्था की है।

यूथ एसोसिएशन ऑफ मोहम्मद अली पार्क के महासचिव सुरेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि दुर्गापूजा के 58वें वर्ष में ह्यप्राचीन राम मंदिर की थीम के माध्यम से भारत की स्थापत्य विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक धरोहर को सम्मान देने का प्रयास किया गया है।

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन की मौत, चार घायल

कोलकाता। दुर्गा पूजा की पंचमी के दिन अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। पहली घटना नदिया जिले की है जहां डंपर की चपेट में आने से स्कूटी सवार दो युवकों की मौत हो गई। दूसरी घटना पश्चिम बर्दवान जिले की है जहां कांकासा के राजबांध इलाके में ट्रैक्टर और चारपहिया वाहन की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। तीसरी घटना उत्तर 24 परगना जिले की है जहां बिगटी में डीजल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे सड़क पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह शांतिपुर थाना क्षेत्र के प्रफुल्ल नगर में राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर यह दुर्घटना हुई। मृतकों में एक की पहचान सत्येन



राय के रूप में हुई है। वह शांतिपुर थाना क्षेत्र के बोआलिया इलाके का निवासी था। दूसरे युवक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। प्राथमिक अनुमान के अनुसार, दोनों युवक एक ही इलाके के निवासी थे। बताया गया है कि दोनों युवक स्कूटी से रानाघाट से शांतिपुर की

ओर जा रहे थे। इसी दौरान फूलिया के प्रफुल्ल नगर के पास एक डंपर ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। दोनों युवक डंपर के पहियों के नीचे आ गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पाकर शांतिपुर थाना पुलिस और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर थाने पहुंचाया। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में डंपर तेज गति से चलते हैं, जिससे सड़क पर आवाजाही करना खतरनाक हो गया है।

इलाके में लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की निगरानी बढ़ाने की मांग की है। दूसरी तरफ, पंचमी की सुबह पश्चिम बर्दवान जिले के कांकासा थाना क्षेत्र के राजबांध इलाके में ट्रैक्टर और एक चारपहिया वाहन के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों की स्थिति गंभीर बताई गई है। मिली जानकारी के अनुसार, राजबांध इलाके में तेज गति से आ

रही छोटी गाड़ी के चालक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क पर आगे चल रहे बालू लोदे ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी। इसके कारण यह दुर्घटना हुई। वहीं, गुरुवार सुबह बारासात की ओर जाते समय बिराटी में डीजल से भरा एक टैंकर भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद टैंकर डि-वाइडर से टकराकर पलट गया। टैंकर से डीजल सड़क पर फैल गया। इसके कारण मुख्य सड़क पर वाहनों की आवाजाही रोकनी पड़ी और इलाके में भारी जाम लग गया। सूचना पाकर एयरपोर्ट थाना पुलिस और दमकलकर्म मौके पर पहुंचे। दुर्घटना की आशंका को देखते हुए सड़क पर बालू डाली गई, ताकि फिसलन और अन्य हादसों से बचा जा सके।



मेदिनीपुर। दुर्गा पूजा के दौरान बढ़ती भीड़ और जाम की समस्या को देखते हुए पश्चिम मेदिनीपुर जिले के मेदिनीपुर और खड़गपुर शहर में गुरुवार (पंचमी) से यातायात नियंत्रण लागू किया गए। पुलिस प्रशासन ने इसकी जानकारी देते हुए आम लोगों और वाहन चालकों को सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, 15

अक्टूबर से प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से अगले दिन सुबह तीन बजे तक निर्धारित क्षेत्रों में ऑटो, टोटो और अन्य वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा।

इस संबंध में पुलिस की ओर से माइक के माध्यम से प्रचार कर लोगों और वाहन चालकों को पहले ही सूचित किया जा रहा है। दुर्गा पूजा के दौरान शहर की प्रमुख

सड़कों पर प्रतिमा दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग निकलते हैं। शाम के बाद भीड़ बढ़ने से यातायात जाम की स्थिति पैदा होती है।

इसे देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही और सड़कों पर पैदल चलने वालों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

रंगीन सड़कों पर बाइक फिसलने के वीडियो वायरल आसनसोल में भी सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

आसनसोल। दुर्गापूजा से पहले शहरों को सुंदर बनाने के लिए सड़कों, पुलों और फ्लाईओवरों को लाल, नीले, पीले समेत विभिन्न रंगों से सजाने की पहल अब सड़क सुरक्षा को लेकर सवालों के घेरे में है। बारिश के बाद रंगीन सड़कों पर मोटरसाइकिल सवारों के फिसलने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कोलकाता से लेकर आसनसोल तक शहरी सड़कों के सौंदर्यीकरण और उनकी सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच पश्चिम बंगाल की नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल ने स्पष्ट किया कि सड़कों और फ्लाईओवरों का सौंदर्यीकरण सरकारी खजाने के बजाय कंपनियों के कॉरपोरेट सोशल रिसॉर्प्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड से कराया जा रहा है। आसनसोल सहित राज्य के अन्य शहरी क्षेत्रों में



भी सड़कों, डिवाइडरों, पुलों के नीचे की खाली जगहों और सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण की योजना बनाई जा रही है। ऐसे में रंगीन सड़कों पर बाइक फिसलने की घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर

दिया है कि शहरों को आकर्षक बनाने के साथ बारिश के दौरान वाहनों की सुरक्षित पकड़ सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी मानकों का कितना ध्यान रखा जा रहा है।

इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल

कॉंग्रेस कमेटी के सदस्य प्रसंजीत पोद्दुड़ी ने सरकार की सौंदर्यीकरण नीति पर सवाल उठाते हुए खर्च और जवाबदेही की जांच की मांग की है। वहीं, मंत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि शहरों को सुंदर बनाना

नगर विकास विभाग की जिम्मेदारी है। जिस तरह पानी की आपूर्ति और कचरा प्रबंधन जरूरी है, उसी तरह सार्वजनिक स्थानों को व्यवस्थित और आकर्षक बनाना भी विभाग के कार्यों में शामिल है। हालांकि, वायरल वीडियो में दिखी दुर्घटनाओं का कारण केवल सड़क पर किया गया रंग ही है, इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मंत्री के अनुसार, बाइक सवारों के फिसलने की घटनाओं को देखते हुए संबंधित अधिकारियों और केएमडीए के इंजीनियरों को स्थिति का निरीक्षण करने के लिए भेजा गया था। कोलकाता पुलिस और अन्य अधिकारियों के साथ भी इस विषय पर चर्चा की गई। इसके बाद चिंगरीघाटा और गरियाहाट ब्रिज के कुछ हिस्सों में सतह खुरचकर घर्षण बढ़ाने के उपाय किए गए,

ताकि बारिश के दौरान दोपहिया वाहनों के फिसलने की आशंका कम हो सके।

अग्निमित्रा पाल ने कहा कि केवल रंग को दुर्घटना की वजह मान लेना जल्दबाजी होगी, क्योंकि सामान्य सड़कों पर भी खराब सतह के कारण हादसे होते हैं। हालांकि, बारिश के दौरान रंगीन सतह पर वाहनों की पकड़ को लेकर उठे सवालों के बीच सड़क की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का तकनीकी आकलन महत्वपूर्ण हो गया है। आसनसोल सहित राज्य के शहरी क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण की योजनाओं के बीच अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि बारिश के दौरान सड़क पर वाहनों की सुरक्षित पकड़ सुनिश्चित करने के लिए किन तकनीकी मानकों का पालन किया जाएगा।

सालानपुर में दो जगहों पर भारी मात्रा में प्रतिबंधित पटाखे जब्त

- रूपनारायणपुर-सामडी रोड की दुकान पर भी पड़ा छाप
- पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया



सालानपुर। दुर्गापूजा, कालीपूजा और दीपावली से पहले प्रतिबंधित एवं तेज आवाज वाले पटाखों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में सालानपुर थाना पुलिस ने रूपनारायणपुर और पिटाकेयारी इलाके में अलग-अलग दो अभियान चलाकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए। इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पहले अभियान के तहत पिटाकेयारी इलाके में छापेमारी की गई। यहां से अवैध रूप से रखे गए प्रतिबंधित चॉकलेट बम के 75 पैकेट बरामद किए गए। इनमें कुल 750 चॉकलेट बम थे। पुलिस ने इस मामले में सलिप्तता के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं, दूसरे अभियान में

पुलिस ने रूपनारायणपुर-सामडी रोड स्थित एक दुकान पर छापेमारी की। यहां से 440 प्रतिबंधित चॉकलेट बम, 'काली फटाफटी' पटाखों के 42 पैकेट और कई रॉकेट बम बरामद किए गए। पुलिस ने दुकान से सभी प्रतिबंधित पटाखों को जब्त कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में प्रतिबंधित पटाखों के मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए प्रतिबंधित एवं तेज आवाज वाले पटाखों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। त्योहारी सीजन में अवैध पटाखों की बिक्री और भंडारण रोकने के लिए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है, ताकि उत्सव के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

बांसड़ा कोलियरी में ग्रामीणों का प्रदर्शन

रानीगंज। पश्चिम बर्दवान जिले के रानीगंज अंतर्गत आमरासोता पंचायत स्थित बांसड़ा कोलियरी में विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों के विरोध के कारण कई घंटों तक कोलियरी में कोयला उत्पादन और परिवहन का काम ठप रहा। प्रदर्शनकारियों ने लंबे समय से बंद पड़ी सीएम परियोजना को जल्द चालू करने तथा कोलियरी के निकट स्थित पंचायत पाड़ा में बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग उठाई।

ग्रामीणों का कहना है कि सीएम परियोजना लंबे समय से बंद पड़ी है। इसे दोबारा चालू

कई घंटे ठप रहा कोयला उत्पादन और परिवहन

करने के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से परियोजना बंद रहने के कारण उनकी मांगों पर अब तक ठोस पहल नहीं हुई है। इसी के विरोध में स्थानीय लोग एकजुट होकर प्रदर्शन करने पहुंचे।

वहीं, पंचायत पाड़ा में कई वर्षों से बिजली आपूर्ति बाधित रहने का मुद्दा भी ग्रामीणों के आक्रोश की प्रमुख वजह बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, बिजली नहीं रहने के कारण उन्हें रोजमर्रा के कामकाज में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि वर्षों बीत जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि बंद पड़ी सीएम परियोजना को चालू करने और पंचायत पाड़ा में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। अपनी मांगों की ओर कोलियरी प्रबंधन और संबंधित बिजली विभाग की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। हालांकि, इस मामले में प्रबंधन और बिजली विभाग की आधिकारिक प्रतिक्रिया की जानकारी सामने नहीं आई है।

दो घायलों को अग्निमित्रा ने पिकअप वैन से भिजवाया अस्पताल

सड़क हादसे में लगी थी चोट



आसनसोल। कोलकाता से आसनसोल लौटते समय रास्ते में सड़क हादसे का शिकार हुए बाइक सवार महिला और पुरुष के लिए राज्य की शहरी विकास एवं नगरपालिका मामलों की मंत्री अग्निमित्रा पाल मददगार बनकर सामने आईं। बुधवार रात सड़क किनारे घायलों को देखकर उन्होंने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाई और उनकी मदद के लिए आगे आईं। मंत्री ने एंबुलेंस का इंतजार किए बिना एक पिकअप वैन रोककर घायल पुरुष को अस्पताल भिजवाया। वहीं, बाद में एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायल महिला को भी नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना का वीडियो मंत्री अग्निमित्रा पाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। वीडियो में सड़क किनारे एक महिला घायल अवस्था में बैठी मदद की गुहार लगाती दिखाई दे रही है, जबकि पास में एक

अग्निमित्रा ने किया बराचक में दुर्गापूजा पंडाल का उद्घाटन

आसनसोल। बराचक में कगत जनकल्याण ट्रस्ट एवं बराचक सार्वजनिक दुर्गापूजा समिति के पूजा पंडाल का उद्घाटन राज्य की मंत्री अग्निमित्रा पाल ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने गां दुर्गा से बराचक के लोगों की सुख-समृद्धि, अष्टे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की। कार्यक्रम में शिवानंद महाराज, व्यवसायी दिव्य शर्मा, कगत जनकल्याण ट्रस्ट पूजा कमेटी के अध्यक्ष गौरांग पात, बराचक सार्वजनिक दुर्गापूजा समिति के अध्यक्ष ब्रज कर्माकर, सचिव विकास राय सहित दोनों समितियों के पदाधिकारी, सदस्य और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अग्निमित्रा पाल ने कहा



कि पूजा पंडाल का उद्घाटन सभी के सहयोग से करना उनके लिए खुशी की बात है। गां दुर्गा के आगमन पर उन्होंने बराचक के सभी लोगों के सुखी और स्वस्थ रहने की प्रार्थना की तथा लोगों को दुर्गापूजा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आपसी एकता,

सामाजिक सहभागिता और भाईचारे का भी प्रतीक है।

राज्य की नई सरकार का उल्लेख करते हुए मंत्री ने भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री के आशीर्वाद और निर्देश के अनुसार बंगाल के कोने-कोने में विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों से क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़ी

जरूरतों को उनके सामने रखने की अपील की, ताकि उन पर ध्यान देकर आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं और क्लबों की जिम्मेदारी केवल पूजा आयोजित करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें लोगों के सुख-दुःख में भी साथ खड़ा होना चाहिए। अग्निमित्रा पाल ने कहा कि बराचक के लोगों की समस्याओं और जरूरतों को लेकर क्लब के सदस्य उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा, हमें आप लोगों के घर की बेटी और बहन बनकर हमेशा आपके साथ रहूं। विकास तो लेकर ही रहेगा। इनके इस संबोधन में धार्मिक आस्था के साथ क्षेत्र के विकास और सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी जोर दिया गया।

दुर्गापूजा से पहले 200 बच्चों के बीच वस्त्र वितरण

रानीगंज। दुर्गापूजा के अवसर पर जरूरतमंद बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने और त्योहार की खुशियां बांटने के उद्देश्य से रानीगंज के जायका स्टेशन में वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष देवनु भट्टाचार्य और दिनेश सोनी के नेतृत्व में करीब 200 बच्चों के बीच नए वस्त्र वितरित किए गए। वस्त्र पाकर बच्चों के चेहरे

खिल उठे। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के साथ दुर्गापूजा की खुशियां साझा की गई। इस पहल का उद्देश्य त्योहार के दौरान जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को भी खुशियों में शामिल करना और उनके बीच सामाजिक सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा। दुर्गापूजा से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को वस्त्र देकर त्योहार की खुशियां बांटी गईं।

पानागढ़ बाजार में कबाड़ के ढेर में लगी आग

पानागढ़। पानागढ़ बाजार में बुधवार आधी रात को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जीटी रोड पर रनिडिहा मोड़ के पास सड़क किनारे जमा कबाड़ के विशाल ढेर में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और पुराने टायर, प्लास्टिक, लकड़ी तथा गाड़ियों का स्कूप धू-धू कर जलने लगा। आग से उठने वाला काले धुंरा का धुआं चारों किलोमीटर दूर से दिखाई देने लगा, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के बाद स्थानीय लोगों ने बाल्टी से पानी डालकर उसे बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

उखड़ा बाजार में महिला की गला रेतकर हत्या, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

अंडाल। अंडाल थाना क्षेत्र के उखड़ा बाजार में बुधवार देर रात मांस की दुकान चलाने वाली 46 वर्षीय चांदा देवी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी

फैल गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के साथ लिव-इन में रहने वाले प्रेम मंडल को गिरफ्तार किया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चांदा देवी और प्रेम मंडल लंबे समय से उखड़ा बाजार

काशी-अयोध्या पहुंचे पंडित आर्य प्रहलाद गिरि



जामुड़िया। हिंदू धर्म की धार्मिक परंपराओं, पर्व-त्योहारों की तिथियों और पंचांग व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जामुड़िया के निंगा स्थित निगेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित आर्य प्रहलाद गिरि ने काशी और अयोध्या की यात्रा की। यात्रा से लौटने के बाद उन्होंने बताया कि इस दौरान काशी और अयोध्या के विद्वानों एवं धर्माचार्यों के समक्ष धर्म

सुधार और स्थिर पंचांग की आवश्यकता को लेकर जापान प्रस्तुत किया गया। पंडित आर्य प्रहलाद गिरि ने कहा कि हिंदू धर्म की मूल भावना को मजबूत करने, धार्मिक परंपराओं को व्यवस्थित बनाने और समाज को आडंबरों से मुक्त करने के लिए समयानुकूल सुधार आवश्यक हैं। इसके लिए अब ठोस पहल करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि

धार्मिक सुधार अभियान की शुरुआत काशी के अस्सी घाट पर धर्मप्रेमियों की उपस्थिति में शंखनाद के साथ की गई। उन्होंने इसे धर्म सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि अभियान का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं में एकरूपता लाना और समाज में व्याप्त कथित पाखंडों के खिलाफ जनजागरण करना है। पंडित गिरि ने पर्व-त्योहारों की तिथियों को लेकर विभिन्न पंचांगों में होने वाली वििसंगतियों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अलग-अलग पंचांगों के कारण कई बार धार्मिक पर्वों की तिथियों को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा होती है। इस समस्या के समाधान के लिए स्थिर पंचांग की व्यवस्था पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

फूल के आकार का भव्य पंडाल बना आकर्षण

1952 से लगातार हो रही पूजा



आसनसोल। आसनसोल के बस्तीन बाजार की सर्वजननी दुर्गापूजा इस वर्ष अपने अनूठे पंडाल और 24 घंटे दर्शन की व्यवस्था को लेकर चर्चा में है। वर्ष 1952 से लगातार आयोजित हो रही

इस ऐतिहासिक पूजा का इस बार भव्य आयोजन किया गया है। फूल के आकार में तैयार किया गया आवर्षक पंडाल श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वहीं, मां दुर्गा के भक्तों

के लिए 24 घंटे दर्शन की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालु किसी भी समय पहुंचकर मां का आशीर्वाद ले सकें। बीते दिन आसनसोल उत्तर के विधायक कुशेंद्र मुखर्जी ने पूजा का भव्य उद्घाटन किया। उनके पहुंचते ही पूजा परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा बस्तीन बाजार बोलो दुर्गा माई की जय के जयकारों से गुंज उठा। उद्घाटन समारोह में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। पिछले 73 वर्षों से चली आ रही यह पूजा आसनसोल की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का अहम हिस्सा है। हर वर्ष यहां बड़ी संख्या में भक्त मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस बार फूल के आकार का पंडाल और चौबीसों घंटे दर्शन की विशेष व्यवस्था श्रद्धालुओं के बीच खास उत्साह पैदा कर रही है।

कारपेंटर मीट में साझा की गयी

आसनसोल। आसनसोल के एक निजी हॉल में कारपेंटर मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान कारपेंटरों के बीच आपसी मेलजोल बढ़ाने और उत्पादों से जुड़ी जानकारी साझा करने के उद्देश्य से मिलन समारोह भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कंपनी के नए उत्पादों, उनके निर्माण की प्रक्रिया और उपयोग से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस मौके पर कंपनी के शाखा विकास प्रबंधक मंदीप सबला ने बताया कि कारपेंटर मीट का मुख्य उद्देश्य कारपेंटरों को नए उत्पादों से परिचित कराना और उनके साथ अपने अनुभव साझा करना है।

बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति देने की पहल



कंपनी जब भी कोई नया उत्पाद बाजार में उतारती है, तो कारपेंटरों

के लिए इस तरह की बैठक आयोजित कर उन्हें उत्पाद की

उत्पादों की जानकारी

विशेषताओं और निर्माण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया जाता है। इससे कारपेंटरों को उत्पादों की बेहतर जानकारी मिलती है और वे अपने काम में उनका सही तरीके से उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी किसानों के हितों को ध्यान में रखकर उत्पाद तैयार करती है, ताकि उन्हें किसी तरह का नुकसान न हो। पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी कंपनी लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में अब तक 25 लाख पौधों का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि कंपनी कारपेंटरों को बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम करती है। इसके

तहत अखिल भारतीय स्तर पर 100 से 200 कारपेंटरों को बीमा कवर देने की व्यवस्था का उल्लेख किया गया।

मंदीप सबला ने बताया कि कारपेंटरों के बच्चों की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 11 हजार रुपये की छात्रवृत्ति भी दी जाती है। इससे बच्चों को आगे की पढ़ाई में आर्थिक सहायता मिलती है। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के नए उत्पाद ह्यामिड मास्टरहू का शुभारंभ भी किया गया। इसके अलावा उपस्थित लोगों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई, जिसमें ह्यांग्यलो लंचहू भी आकर्षण का केंद्र रहा।

300 करोड़ रुपये के अवैध मिट्टी खनन का आरोप

अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक पर भी पुलिस की नजर

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में जमीन से जुड़े कथित भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में करीब 300 करोड़ रुपये के कथित अवैध मिट्टी खनन और बिक्री के मामले में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित राय का नाम सामने आया है। मामले में जिला पुलिस की ओर से सुमित राय को हिरासत में लेने की तैयारी किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस की आधिकारिक कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

मामले की शिकायत भाजपा नेता अभिजीत विश्वास उर्फ बाँबी ने की है। उनका आरोप है कि पिछले कई वर्षों से एक संगठित गिरोह बड़े पैमाने पर जमीन से अवैध तरीके से मिट्टी काटकर खुले बाजार में बेच रहा था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, इस गतिविधि के कारण न केवल जमीन की प्राकृतिक बनावट को नुकसान पहुंचा, बल्कि करीब 300 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक अनियमितता भी हुई। अभिजीत विश्वास का दावा है



- 163 बीघा जमीन से अवैध रूप से मिट्टी काटने का दावा
- भाजपा नेता ने दर्ज कराई शिकायत

कि अलग-अलग चरणों में करीब 163 बीघा जमीन से बड़े पैमाने पर मिट्टी निकाली गई। आरोप है कि यह काम सुनियोजित तरीके से लंबे समय तक चलता रहा। इस मामले में अदालत और पुलिस के समक्ष कानूनी कार्रवाई की गई

है। शिकायतकर्ता ने कथित अवैध खनन के समर्थन में पुलिस को दी गई प्रारंभिकी के साथ कई सैटेलाइट तस्वीरें भी सौंपने की बात कही है। उनका दावा है कि इन तस्वीरों की समय-सीमा के आधार पर संबंधित जमीन पर लंबे समय तक मिट्टी

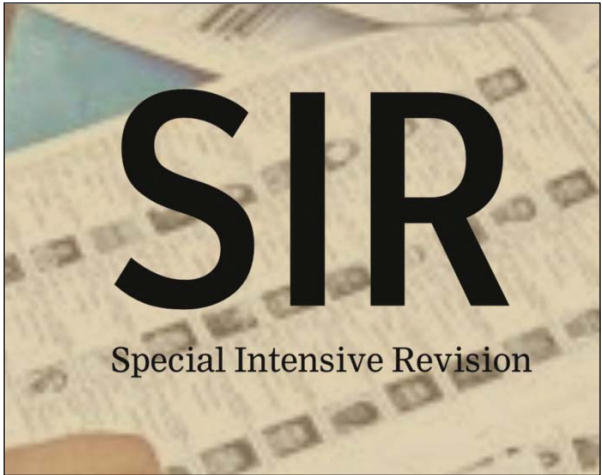
काटे जाने के संकेत मिलते हैं। तस्वीरों के तुलनात्मक अध्ययन से इलाके की भौगोलिक बनावट में बदलाव होने का भी दावा किया गया है।

हालांकि, इन तस्वीरों की तकनीकी जांच, कथित नुकसान की वास्तविक मात्रा और 300 करोड़ रुपये के आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि होना अभी जरूरी है। 2017 से शुरू हुई गतिविधियों का दावा - भाजपा नेता अभिजीत विश्वास के अनुसार, कथित अवैध मिट्टी कटाई की गतिविधियां वर्ष 2017 से शुरू हुई थीं। उनका आरोप है कि 2022 और 2023 के दौरान यह गतिविधि और तेज हो गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि उस समय स्थानीय प्रशासन और पुलिस के समक्ष भी इस संबंध में शिकायतें की गई थीं, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले में अब अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित राय का नाम सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज होने की संभावना है। आरोपों का संबंध दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर और जोका मेट्रो के आसपास के क्षेत्र में कथित मिट्टी कटाई के कारोबार से बताया जा रहा है।

नदिया में 60 हजार मतदाताओं को नाम जुड़वाने का मौका, लेकिन प्रक्रिया पर संशय

दीपंकर एडवार, कृष्णनगर (नदिया) : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद नदिया जिले के करीब 60 हजार मतदाताओं के लिए दोबारा नाम दर्ज कराने का रास्ता खुल सकता है। निर्वाचन आयोग के नए निर्देश के अनुसार, सूची से बाहर रह गए पात्र मतदाता फॉर्म-6 भरकर नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, जिन परिवारों के किसी सदस्य का मामला अभी ट्रिब्यूनल या न्यायिक प्रक्रिया के तहत लंबित है, उनके अन्य सदस्यों के आवेदन पर क्या नियम लागू होगा, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। निर्वाचन आयोग के एक अक्टूबर के निर्देश के अनुसार, एसआईआर से पहले मतदाता सूची में जिन लोगों के नाम दर्ज थे, लेकिन वर्तमान सूची में उनके नाम नहीं हैं, उनकी पहचान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को करनी होगी।

इसके बाद घर-घर जाकर संबंधित व्यक्ति की स्थिति और पात्रता की जांच की जाएगी। पात्र पाए जाने पर फॉर्म-6 के माध्यम से उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की व्यवस्था की जाएगी। पहली बार मतदान करने वाले और युवा मतदाताओं को भी इस प्रक्रिया में शामिल करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन के एक अधिकारी



के अनुसार, नए मतदाताओं के साथ सूची से बाहर रह गए लोग भी फॉर्म-6 के जरिए नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। लेकिन यदि परिवार के किसी अन्य सदस्य का मामला ट्रिब्यूनल में लंबित है या वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है, तो ऐसी स्थिति में नए आवेदन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इस बारे में निर्देशिका में स्पष्ट उल्लेख नहीं है। इससे प्रभावित परिवारों के बीच असमंजस बना हुआ है।

इस वर्ष फरवरी में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले एसआईआर प्रक्रिया के दौरान नदिया जिले में मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं समेत विभिन्न कारणों

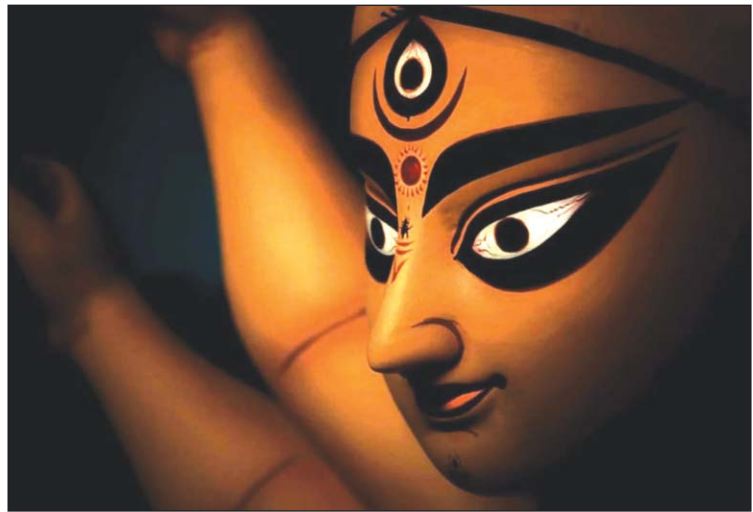
से करीब 2.16 लाख नाम हटाए गए थे। बाद में आरोप लगे कि इस प्रक्रिया में कई वास्तविक मतदाताओं के नाम भी सूची से बाहर हो गए। पहले ह्यअनमेण्ड्ड और बाद में ह्यलॉजिकल डिस्क्रेपेंसीह्म श्रेणी में रखे गए लोगों को नोटिस भेजकर सत्यापन और सुनवाई के लिए बुलाया गया था। लंबी प्रक्रिया के बाद अंतिम सूची प्रकाशित होने के बावजूद जिले में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हाडिलीटेडह्म या ह्यअंडर एडजु-डिकेशनह्म की श्रेणी में रहे। उपलब्ध स्थानीय आंकड़ों के अनुसार, आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने के कारण करीब 60 हजार मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए थे। अब

आयोग के नए निर्देश से ऐसे मतदाताओं की पात्रता की दोबारा जांच कर नाम दर्ज कराने की संभावना बनी है। हालांकि, पहले से लंबित मामलों और नए सिरे से नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया के बीच क्या संबंध होगा, इस पर स्पष्टता जरूरी मानी जा रही है। इससे पहले 29 सितंबर के निर्देश में आयोग ने कहा था कि अनमेण्ड्ड या ह्यलॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के कारण नोटिस पाने वाले लोगों से बीएलओ घर जाकर दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें पोर्टल पर अपलोड करेंगे। सामान्य परिस्थितियों में संबंधित लोगों को सुनवाई के लिए कार्यालय बुलाने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) के निर्णय के अनुसार ऑनलाइन सुनवाई कराई जा सकती है। नदिया के प्रभावित मतदाताओं के लिए नई व्यवस्था उम्मीद लेकर आई है, लेकिन लॉबित मामलों वाले परिवारों के सामने अब भी सवाल कायम है। निर्वाचन आयोग की ओर से इस संबंध में अतिरिक्त स्पष्टीकरण जारी होने पर ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि ऐसे परिवारों के पात्र सदस्य किस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा पाएंगे।

बिना दुर्गापूजा आयोजित किए अनुदान सूची में नाम, नकाशीपाड़ा में उठे सवाल

दीपंकर एडवार, कृष्णनगर (नदिया) । पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के नकाशीपाड़ा में दुर्गापूजा समितियों को सरकारी अनुदान देने की प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि दादुपुर की एक ऐसी पूजा समिति का नाम भी अनुदान पाने वालों की सूची में शामिल है, जो दुर्गापूजा का आयोजन ही नहीं करती। दूसरी ओर, क्षेत्र की कई छोटी पूजा समितियों को आवेदन के बावजूद आर्थिक सहायता नहीं मिलने का दावा किया गया है। इस मुद्दे पर भाजपा ने प्रशासन से 85 छोटी पूजा समितियों को अनुदान देने की मांग की है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, दादुपुर की संबंधित समिति ने कभी दुर्गापूजा का आयोजन नहीं किया। इसके बावजूद सरकारी अनुदान की सूची में उसका नाम शामिल होने की जानकारी सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया। भाजपा ने इस संबंध में प्रशासन से शिकायत कर समिति का नाम सूची से हटाने की मांग की है। नकाशीपाड़ा थाने के एक अधिकारी के अनुसार, मामले को



आवश्यक कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के पास भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यदि यह पुष्टि होती है कि संबंधित समिति दुर्गापूजा आयोजित नहीं करती, तो उसका अनुदान रद्द किया जाएगा।

इस बीच, भाजपा ने क्षेत्र की 85 छोटी पूजा समितियों को सरकारी सहायता देने की मांग उठाई है। पार्टी का दावा है कि सरडांगा, चरकुर्मिपाड़ा, माझेरग्राम और कुलेपोता जैसे इलाकों की कई समितियां आर्थिक सहायता की पात्र होने के बावजूद अनुदान से वंचित हैं। नकाशीपाड़ा के भाजपा मंडल अध्यक्ष अग्निदेव सरकार ने बताया कि संगठन की पहल और स्थानीय विधायक के

सहयोग से इन समितियों के नाम प्रशासन को सौंपे गए हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष कृष्णनगर पुलिस जिले की 2,811 दुर्गापूजा समितियों को एक-एक लाख रुपये का सरकारी अनुदान दिया जाना है। इसके लिए कुल 28 करोड़ 11 लाख रुपये आवंटित किए जाने का हिसाब है। नकाशीपाड़ा थाना क्षेत्र में अनुदान सूची में 315 पूजा समितियों के नाम होने की जानकारी है। हालांकि, थाने में 205 समितियों के लिए चेक भेजे गए थे। दोनों आंकड़ों के बीच अंतर का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। बड़ी पूजा समितियों से सरकारी अनुदान नहीं लेने की अपील के पीछे छोटे और दूरदराज के इलाकों की पूजा समितियों की आर्थिक सहायता का अवसर उपलब्ध कराने का उद्देश्य बताया गया है। ऐसे में नकाशीपाड़ा का मामला अनुदान वितरण की प्रक्रिया और लाभार्थियों की पात्रता की जांच पर सवाल खड़े करता है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन संबंधित समिति के मामले को मांग के साथ-साथ वंचित पूजा समितियों की मांग पर क्या कदम उठाता है।

बारिश में दोपहिया वाहनों के फिसलने के बाद लगाए गए रोड स्टड्स

कोलकाता । दुर्गापूजा के मौके पर कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में सड़कों और फ्लाईओवरों पर किए गए सतरंगी (रेनबो) रंगों के सौंदर्यीकरण पर विवाद गहरा गया है। बारिश के दौरान पेंट किए गए हिस्सों पर दोपहिया वाहनों के फिसलने की घटनाओं के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने एहतियाती कदम उठाए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर सड़कों पर रोड स्टड्स (कैट्स आइ) लगाए जा रहे हैं और फ्लाईओवर की सतह को खुरदरा किया जा रहा है ताकि वाहनों की गति बनी रहे और दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, चिंगरीघाटा फ्लाईओवर के सतरंगी पेंट वाले हिस्से पर हर 10 मीटर के अंतराल पर 'कैट्स आइ' रोड स्टड्स की कतारें लगाई गई हैं। इसके अलावा, गरियाहाट ब्रिज की सतह को खुरचकर खुरदरा बनाया गया है ताकि टायर और सड़क के बीच घर्षण (फ्रिक्शन) बढ़ सके और बारिश में गाड़ियां फिसलने से बच सकें। उल्लेखनीय है कि दुर्गा पूजा के स्वागत में कोलकाता और राज्य के अन्य इलाकों में कई महत्वपूर्ण मार्गों को रेनबो रंगों और 'अल्पना' आकृतियों से सजाया गया है।

इससे पहले बुधवार को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि ऐसी कोई आधिकारिक सूचना नहीं है कि दुर्घटनाएं सड़क पर पेंटिंग के कारण



फ्लाईओवर की सतह को खुरदरा किया गया

हुई हैं। वहीं, नगर विकास एवं नगरपालिका मामलों की मंत्री अग्निमित्रा पाल ने स्पष्ट किया था कि सड़कों पर केवल 'एंटी-स्किड' (फिसलन-रोधी) रंगों का ही प्रयोग किया गया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया था कि यदि यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा होती है, तो वैकल्पिक उपाय तुरंत किए जाएंगे।

गुरुवार को मंत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि प्रशासन अभी तक मोटरसाइकिलों के फिसलने का सटीक कारण स्पष्ट रूप से स्थापित नहीं कर सका है। उन्होंने कहा कि बुधवार को फ्लाईओवर पर दो मोटरसाइकिलों के

फिसलने की खबर मिली थी, लेकिन निश्चित तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि इसकी वजह क्या थी, क्योंकि सड़कों पर वाहनों के फिसलने के कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। उन्होंने यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी बताया कि हादसा सिर्फ पेंटिंग की वजह से हुआ। उन्होंने कहा कि यह पेंटिंग की वजह से हो भी सकता है और नहीं भी।

वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया है और एहतियात के तौर पर चिंगरीघाटा फ्लाईओवर पर कैट्स आइ लगाए गए हैं और गरियाहाट ब्रिज की सतह को खुरदरा कर दिया गया है।

दुर्गापूजा पर टाटा पावर का तोहफा



बिना अग्रिम भुगतान के घरों में लगा सकेंगे सोलर पैनल

कोलकाता । दुर्गापूजा के अवसर पर टाटा पावर ने पश्चिम बंगाल के घरेलू उपभोक्ताओं को छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए प्रोत्साहित करने की पहल की है। कंपनी ने राज्य में अपने ह्यध्वर-घर सोलरह्म अभियान की शुरुआत करते हुए अगले तीन वर्षों में तीन लाख घरों तक रूफटॉप सोलर प्रणाली पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अभियान के तहत उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा। साथ ही, सरकारी सब्सिडी और आसान वित्तपोषण विकल्पों के माध्यम से सोलर पैनल लगाने की शुरुआती लागत का बोझ कम करने का प्रयास किया जाएगा। कंपनी की इस पहल का उद्देश्य घरों में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के साथ बिजली के बिल में कमी लाना और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता घटाना है। अभियान कोलकाता से शुरू किया गया है। इसके माध्यम से शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी लोगों को रूफटॉप सोलर के आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों से परिचित कराया जाएगा। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक (उक्त) हैं। वे टाटा पावर कंपनी लिमिटेड में नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार के अध्यक्ष संजय बंगा ने कहा कि टाटा पावर के सौर ऊर्जा को बंगाल के गांव गांवों तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है।

पापिया की डोकरा कला से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा

कृष्णगंज (नदिया) । दुर्गापूजा में कहीं रोशनी की जगमगाहट है, तो कहीं भव्य पंडालों की सजावट। लेकिन पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कृष्णगंज की गुहिणी पापिया कर के लिए इस उत्सव का असली अर्थ उन लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाना है, जो आर्थिक तंगी के कारण त्योहार की खुशियों से दूर रह जाते हैं। पिछले 15 वर्षों से हाथों से दुर्गा प्रतिमाएं बना रहें पापिया ने अपनी कला को समाजसेवा का माध्यम बना लिया है। इस वर्ष उनकी बनाई दुर्गा प्रतिमा में बंगाल की पारंपरिक ह्यडोकरा कलाह्म की झलक देखने को मिलेगी। साल्टलेक के एबी ब्लॉक के दुर्गापूजा मंडप में स्थापित होने वाली इस प्रतिमा को तैयार करने में उन्हें करीब 10 महीने लगे। प्रतिमा बनाने पर लगभग 35 से 36 हजार रुपये खर्च हुए हैं।

खास बात यह है कि पापिया ने डोकरा कला का कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया है। किताबों और तस्वीरों के सहारे उन्होंने इस पारंपरिक लोककला की बारीकियों को समझने की कोशिश की। कागज, टिन, धातु के तार, वॉशर और बिजली के तार जैसी सामग्रियों का इस्तेमाल कर उन्होंने प्रतिमा को डोकरा कला के अनुरूप आकार दिया। बंगाल की इस प्राचीन लोककला को अधिक लोगों तक पहुंचाने की इच्छा ने उन्हें इस चुनौतीपूर्ण काम के लिए प्रेरित किया। हालांकि, पापिया की पहल की सबसे भावुक करने वाली बात उनकी कला से जुड़ा सामाजिक उद्देश्य है। प्रतिमाएं बनाकर मिलने वाली रकम से वह दुर्गापूजा के दौरान बेघर लोगों, जरूरतमंदों और सड़क पर रहने वाले बच्चों के लिए नए कपड़े खरीदती हैं। उनकी कोशिश रहती है कि त्योहार की खुशियां उन लोगों तक भी पहुंचें, जिनके लिए नए कपड़े खरीदना भी आसान नहीं है। पिछले डेढ़ दशक से वह हर साल एक या दो दुर्गा



प्रतिमाएं बनाती रही हैं। घर-गृहस्थ की जिम्मेदारियों के बीच इस तरह की कला साधना के लिए समय निकालना आसान नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने अपने जुनून को बनाए रखा है। उनके पति अमरेश कर और बैंक में कार्यरत बेटे हृषिकेश कर भी लगातार उनका उत्साह बढ़ाते रहे हैं। इस वर्ष साल्टलेक के एबी ब्लॉक की पूजा समिति ने भी उनके सामाजिक प्रयास में सहयोग देने का फैसला किया है। समिति जरूरतमंदों के लिए कपड़े खरीदने का खर्च उठाने को तैयार हुई है। इससे पापिया की पहल को और अधिक लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलने की उम्मीद है। दुर्गापूजा के दौरान नई पोशाक पहनना और परिवार के साथ उत्सव मनाना बहुतांश के लिए सामान्य बात है। लेकिन समाज का एक हिस्सा ऐसा भी है, जिसके लिए ये छोटी-छोटी खुशियां आसानी से हासिल नहीं होतीं। पापिया चाहती हैं कि ऐसे लोग भी त्योहार में खुद को अकेला महसूस न करें।

उनकी प्रतिमा मंडप में कितनी प्रशंसा बटोरती है, यह तो पूजा के दौरान पता चलेगा। लेकिन उनके प्रयास की असली सफलता उन जरूरतमंदों की मुस्कान में छिपी है, जिन्हें त्योहार के दिन नए कपड़े मिलेंगे। पापिया कर ने अपनी कला के जरिए यह संदेश दिया है कि उत्सव की सार्थकता केवल अपनी खुशियां मनाने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी थोड़ी खुशी बांटने में है।

दुर्गापूजा की छुट्टी के बाद काम पर लौटने से पहले हादसे में युवक की मौत

शांतिपुर (नदिया) । दुर्गापूजा की छुट्टियां खत्म होने के बाद काम पर लौटने की तैयारी थी, लेकिन उससे पहले ही सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। गुरुवार सुबह नदिया जिले के शांतिपुर थाना क्षेत्र के फूलिया स्थित प्रफुल्लनगर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है। इनमें से एक की पहचान सत्येन राय के रूप में हुई है। वह शांतिपुर के बोआलिया इलाके के निवासी थे। दूसरे युवक की पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी थी।

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दोनों युवक गुरुवार सुबह स्कूटी से शांतिपुर से राणाघाट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान प्रफुल्लनगर के पास एक डंपर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण दोनों सड़क पर गिर पड़े। आरोप है कि इसके बाद डंपर उन्हें कुचलता हुआ निकल गया। घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर शांतिपुर थाने



डंपर की चपेट में आने से दो की गई जान

की पुलिस और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को बरामद कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की और दस्तावेजों के आधार पर मृतकों के परिजनों को सूचना दी। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। मृतक सत्येन राय बेंगलुरु में दुर्गापूजा के पंडाल बनाने का काम करते थे। पूजा से पहले छुट्टी लेकर घर आए थे और त्योहार समाप्त होने के बाद काम पर लौटने वाले थे। परिवार में पत्नी और एक बेटा है। परिजनों के मुताबिक, सत्येन ही परिवार के

एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी अचानक मौत से परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। गुरुवार सुबह वह किस काम से राणाघाट की ओर जा रहे थे, इसकी जानकारी परिवार के लोगों को भी नहीं है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने इलाके में भारी वाहनों की आवाजाही को लेकर चिंता जताई। कुछ लोगों का आरोप है कि इस सड़क पर डंपरों की आवाजाही बढ़ गई है और पहले भी प्रशासन से शिकायत की गई थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि उसने दुर्घटना के समय पास में खड़े

Phone: 2236-1572, 4800 9234, E-mail-bharatmitral@gmail.com, Fax No.-033-3315-1533, **हवाई शुल्क:** आरतला 6 रुपये, गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन